DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, AURANGABAD.

SYLLABUS OF

B.A. III YEAR

HINDI

SEMESTER-VTH & VI

[Effective from – 2011-2012 and onwards]

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ०५ प्रादेशिक भाषा साहित्य

पंचम संत्र (Semester-V)

उद्देश्य :

१) साहित्य अस्वादन अभिरूचि का परिसंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) प्रादेशिक साहित्य का ज्ञान

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन एवं पठन कौशल के लिए अध्ययन

अ) मराठी साहित्य :

१) मराठी का संत काव्य : सामान्य परिचय

२) मराठी नाट्य साहित्य : सामान्य परिचय

आ) प्रतिनिधि रचनाएँ :

१) मराठी संत काव्य (परिवर्द्धित संस्करण) सं. वेदकुमार वेदालंकार, विकास प्रकाशन, कानपूर

२) विठ्ठला : विजय तेंदुलकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

अ) प्रश्नपत्र - ३० अंक

१) संत काव्य पर विकल्पसहित ससंदर्भ व्याख्या - ०५

२) मराठी संत काव्य पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०

३) विठ्ठला पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - ०५

४) विठ्ठला पर दीघोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०

आ) अंतर्गत मूल्यांकन - २० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर गृहकार्य - १० अंक

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर मौखिकी - १० अंक

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ०५ प्रादेशिक भाषा साहित्य

षष्ठम सत्र (Semester-VI)

अ) मराठी साहित्य :

१) मराठी दलित आत्मकथा साहित्य : सामान्य परिचय

२) मराठी कहानी साहित्य : सामान्य परिचय

आ) प्रतिनिधि रचनाएँ :

१) जीवन हमारा - बेबी कांबळे, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

२) प्रतिनिधि कहानियाँ - मराठी सं. डॉ. माधव सोनटक्के, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

अ) प्रश्नपत्र - ३० अंक

१) मराठी की श्रेष्ठ प्रतिनिधि कहानियों पर ससंदर्भ व्याख्या - ०५

२) जीवन हमारा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०

३) जीवन हमारा पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - ०५

४) मराठी की श्रेष्ठ प्रतिनिधि कहानियों पर विकल्पसहित - १०

आ) अंतर्गत मूल्यांकन - २० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर गृहकार्य - १० अंक

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर मौखिकी - १० अंक

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ६ हिंदी साहित्य का इतिहास

पंचम सत्र (Semester-V)

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिसंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) हिंदी साहित्य की परम्परा से परिचय

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अध्ययन

१) हिंदी साहित्येतिहास : लेखन स्त्रोत एवं परम्परा

- हिन्दी साहित्येतिहास - लेखन के प्रमुख स्त्रोत
- हिन्दी साहित्येतिहास - लेखन परम्परा

२) आदिकाल

- आदिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक पृष्ठभूमि
- आदिकाल साहित्य : वीरगाथा, जैन, सिद्ध तथा नाथ साहित्य
- रचनाकार - अमीर खुसरो, विद्यापति, नामदेव

३) भक्तिकाल

- भक्तिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण भक्ति साहित्य - संत साहित्य, सूफी साहित्य
- सगुण भक्ति साहित्य - रामभक्ति साहित्य, कृष्ण भक्ति साहित्य
  रचनाकार - कबीर, जायसी, तुलसी, सूर

४) रीतिकाल

- रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा राजनैतिक पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन साहित्य - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त
- रचनाकार - केशवदास, पद्माकर, बिहारी, घनानंद, भूषण

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

अ) प्रश्नपत्र - ३० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - ०५

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - ०५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

आ) अंतर्गत मूल्यांकन - २० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर गृहकार्य - १० अंक

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर मौखिकी - १० अंक

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ०६ हिन्दी साहित्य का इतिहास

षष्ठ सत्र (Semester-VI)

उद्देश्य :

१) साहित्य अस्वादन अभिरूचि का परिसंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) हिन्दी साहित्य की परम्परा से परिचय

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अध्ययन

१) आधुनिक काल :

अ) काव्य साहित्य -

- भारतेंदु युगीन कविता
- द्विवेदी युगीन कविता
- छायावादी कविता
- प्रगतिवादी कविता
- प्रयोगवादी कविता
- नई कविता
- समकालीन कविता

रचनाकार - भारतेंदु, अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔंध, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध, धूमिल.

आ) गद्य साहित्य :

- हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
- हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
- हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
- हिंदी एकांकी : उद्‌भव और विकास

- हिंदी जीवनी : उद्‌भव और विकास
- हिंदी आत्मकथा : उद्‌भव और विकास

रचनाकार -

नाटक-एकांकी - भारतेंदु, जयशंकर प्रसाद, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश

कथाकार - प्रेमचंद, यशपाल, जैनेंद्र, फणीश्वरनाथ रेणु

जीवन-आत्मकथा - विष्णु प्रभाकर, हरिवंशराय बच्चन, रामविलास शर्मा, मैत्रेयी पुष्पा

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

अ) प्रश्नपत्र - ३० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - ०५

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - १०

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम लघुत्तरी प्रश्न विकल्पसहित - ०५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

आ) अंतर्गत मूल्यांकन - २० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर गृहकार्य - १० अंक

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर मौखिकी - १० अंक

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ०७ वस्तुनिष्ठ हिंदी

पंचम सत्र (Semester-V)

उद्देश्य :

१) साहित्य आस्वादन अभिरूची का परिसंस्कार

२) जीवन मूल्यों के प्रति आस्था

३) हिंदी साहित्य की परम्परा का वस्तुनिष्ठ अध्ययन

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया

१) व्याख्यान पद्धति

२) लेखन एवं पठन कौशल वृद्धि के लिए अध्ययन

अ) हिंदी भाषा -

बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रश्नपत्र ०४, प्रयोजनमुलक हिंदी (तृतीय सत्र का पाठ्यक्रम)

आ) हिंदी साहित्य

- बी.ए. प्रथम तथा द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकार तथा रचनाएँ
- हिंदी साहित्य के आदि, भक्ति तथा रीतिकालीन साहित्य के इतिहास का पाठ्यक्रम
- हिंदी साहित्य का सामान्य ज्ञान

इ) साहित्यशास्त्र

- पंचम सत्र का पाठ्यक्रम

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ०७ वस्तुनिष्ठ हिंदी

षष्ठम सत्र (Semester-VI)

अ) हिंदी भाषा -

बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रश्नपत्र ०४, प्रयोजनमुलक हिंदी (चतुर्थ सत्र का पाठ्यक्रम)

आ) हिंदी साहित्य

- बी.ए. तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाकार तथा रचनाएँ
- हिंदी साहित्य के आधुनिक कालीन इतिहास का पाठ्यक्रम
- हिंदी साहित्य का सामान्य ज्ञान

इ) साहित्यशास्त्र

- षष्ठ सत्र का पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र का स्वरूप पंचम तथा षष्ठम कुल अंक - ५०

प्रश्नपत्र - ३० अंक

अ) अनुभाग : १ बहुविकल्पी प्रश्न : १५

हिंदी भाषा - ५ प्रश्न

हिंदी साहित्य : ५ प्रश्न

साहित्यशास्त्र : ५ प्रश्न

आ) अनुभाग : २ एक-एक वाक्य में उत्तर - १५ प्रश्न

हिंदी साहित्य - १०

साहित्यशास्त्र - ०५

अंतर्गत मूल्यांकन

१) गृहकार्य : १० अंक

२) मौखिकी : १० अंक

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ८ साहित्यशास्त्र

पंचम सत्र (Semester-V)

उद्देश्य :

१) साहित्य चिंतन का अध्ययन

२) साहित्यालोचन क्षमता का परिचय

३) साहित्य सृजन के संस्कार

अध्ययन-अध्यापन प्रक्रिया :

१) व्याख्यान

२) गोष्ठी, परिचर्चा तथा स्वाध्याय

३) अतिथ विद्वानों के व्याख्यान

४) साहित्यालोचन का अभ्यास

१) साहित्य का स्वरूप :

- साहित्य से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य - परिभाषाएँ

२) साहित्य के तत्त्व :

- भाव तत्त्व
- विचार या बुद्धितत्त्व
- कल्पना तत्त्व
- शैली तत्त्व

३) साहित्य-प्रयोजन :

- प्रयोजन से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन

- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य प्रयोजन

४) साहित्य-हेतु :

- हेतु से तात्पर्य
- संस्कृत आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु
- पाश्चात्य आचार्यों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु
- हिंदी विद्वानों द्वारा प्रस्तुत साहित्य हेतु

५) शब्दशक्ति विचार

- शब्दशक्ति से तात्पर्य
- शब्दशक्ति से प्रमुख भेद

६) रस विचार

- रस का स्वरूप
- रस : भारतीय दृष्टिकोण
- रस : पाश्चात्य दृष्टिकोण
- रस-निष्पत्ति : रस-सूत्र की प्रमुख व्याख्याएँ
- रस भेद- सामान्य परिचय : श्रृंगार, वीर, करूणा, रौद्र, भयानक, बीभत्स, अद्‌भुत, शांत, भक्ति, वात्सल्य

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

अ) प्रश्नपत्र - ३० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न - ०५

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसाहित दिर्घोत्तरी प्रश्न - १०

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न - ०५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

आ) अंतर्गत मूल्यांकन - २० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर गृहकार्य - १० अंक

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर मौखिकी - १० अंक

बी.ए. तृतीय वर्ष

ऐच्छिक हिंदी : पेपर क्र. ८ साहित्यशास्त्र

षष्ठम सत्र (Semester-VI)

१) अलंकार विचार :

- अलंकार : तात्पर्य एवं परिभाषा
- अलंकार : वर्गीकरण एवं भेद
- प्रमुख अलंकार - परिचय

अ) शब्दालंकार - अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति

आ) अर्थालंकार - उपमा, रूपक, भ्रांतिमान, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, व्याजस्तुति, संदेह, समासोक्ति, अत्युक्ति, अन्योक्ति

२) छंद विचार

- छंद - तात्पर्य एवं परिभाषा
- छंद के तत्त्व
- छंद के प्रमुख भेद

अ) मांत्रिक छंद - चौपाई, दोहा, सोरठा, गीतिका, कुंडलिया, रोला, हरगीतिका, बरवै, उल्लाला,

आ) वार्णिक छंद - इंद्रवज्रा, वसंततिलका, मालिनी, मंदाक्रांता, शिारिणी, भुजंगप्रयात, सवैया

३) विधा स्वरूप : विवेचन

- साहित्य विधाएँ : वर्गीकरण
- प्रमुख विधाओं का सैद्धांतिक विवेचन

अ) दृश्यकाव्य : नाटक, एकांकी, रेडियोनाट्य, धारावाहिक

आ) श्रव्यकाव्य : क) कविता - १) प्रबंध : महाकाव्य, खण्डकाव्य

२) मुक्तक : गीतिकाव्य

ख) गद्य विधाएँ : १) कहानी २) उपन्यास
३) निबंध ४) जीवनी
५) आत्मकथा ६) व्यंग्य

७) ललित निबंध ८) रिपोर्ताज

९) रेखाचित्र १०) संस्मरण

४) आलोचना : स्वरूप तथा भेद

- आलोचना : स्वरूप एवं महत्त्व
- आलोचना का कार्य
- आदर्श आलोचक के गुण
- आलोचना के भेद : सामान्य परिचय
- प्रमुख आलोचना भेदों का विशेष परिचय

१) सैद्धांतिक आलोचना

२) ऐतिहासिक आलोचना

३) मार्क्सवादी आलोचना

४) मनोवैज्ञानिक आलोचना

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

अ) प्रश्नपत्र - ३० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न - ०५

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसाहित दिर्घोत्तरी प्रश्न - १०

३) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर विकल्पसहित लघुत्तरी प्रश्न - ०५

४) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ चार में से दो - १०

आ) अंतर्गत मूल्यांकन - २० अंक

१) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर गृहकार्य - १० अंक

२) संपूर्ण पाठ्यक्रम पर मौखिकी - १० अंक

-=**=-

S*/-150611/-